प्रेस विज्ञप्ति

पर्यटन का असली उद्देश्य शान्ति एवं विकास -अश्वनी लोहानी

अपने देश व अपनी संस्कृति को बढ़ावा दें -सतीश सोनी

आत्मा के मूल स्वरूप की यात्रा का नाम ही योग है- बी॰ के॰ ब्रजमोहन

2 अक्टूबर गुरूग्राम

पर्यटन अपार संभावनों से भरा हुआ क्षेत्र है। पर्यटन हमें एक-दूसरे के करीब आने का मौका देता है। हम एक-दूसरे के सांस्कृतिक एवं भौगोलिक जीवन से अवगत होते हैं। **उक्त विचार एअर इंडिया के अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक अश्वनी लोहानी ने ब्रह्माकुमारीज़ के बहोड़ाकलां स्थित ओम् शान्ति रिट्रीट सेन्टर में व्यक्त किये।** ओआरसी में शिपिंग एविएशन एण्ड टूरिज्म से जुड़े लोगों के लिए **ट्रेवल फोर पीस एण्ड डेवलपमेंट** विषय पर दो दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन हुआ। उद्घाटन के अवसर पर लोहानी ने कहा कि मानव शुरू से किसी न किसी लक्ष्य से पर्यटन करता ही आया है। पर्यटन का असली उद्देश्य शान्ति एवं विकास होना चाहिए। हम कहीं भी जाते हैं तो हमें कुछ न कुछ सीखने को अवश्य मिलता है। हमारे मन में एक-दूसरे के प्रति सम्मान की भावना जाग्रत होती है। उन्होंने कहा कि यहाँ आने से मुझे बहुत ही अलौकिकता का अनुभव हुआ। **महाराष्ट्र पर्यटन विभाग के प्रबन्ध निदेशक सतीश सोनी ने** अपने संबोधन में कहा कि हम सभी वास्तव में पर्यटक हैं। हरेक की अपनी अलग-अलग यात्रा है। उन्होंने कहा कि हमारे देश के जितने लोग विदेशों में जाते हैं, उसके आधे विदेशी पर्यटक ही हमारे देश में आते हैं। हमें घरेलु पर्यटन को बढ़ावा देना होगा। विदेशों में जाने से पहले हम अपने देश का तो पूरा भ्रमण करें। जितना हम अपने देश को जानेंगे उतना ही हमारे मन में अपने देश व संस्कृति के प्रति प्रेम एवं सम्मान का भाव बढ़ेगा। अगर हम अपने देश का विकास चाहते हैं तो पहले अपनी सांस्कृतिक विरासत को समझें। **इस अवसर पर विशेष रूप से ब्रह्माकुमारीज़ के मुख्य सचिव ब्रजमोहन जी ने** बताया कि जीवन में भौतिक यात्रा के साथ-साथ जब हम आध्यात्मिक यात्रा की तरफ की भी ध्यान देते हैं, तब ही सच्ची शान्ति का अनुभव होता है। ये यात्रायें तो मानव आदिकाल से करता ही आया है। असली यात्रा तो आत्मा की है, जो अनन्तकाल से चल रही है। उन्होंने कहा कि जितना हम आत्मा के मूल स्वरूप की यात्रा करते हैं, उतना जीवन स्वत: ही शान्ति एवं विकास की ओर अग्रसर होने लगता है। उन्होंने कहा कि योग ही उस यात्रा का नाम है जो हमें अपने मूल की तरफले जाती है। **मुम्बई से आई वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षिका मीरा दीदी ने** बताया कि बाहर की यात्राओं में तो कई चुनौतियों का भी सामना करना पड़ता है। लेकिन आत्मा की यात्रा तो हमें चुनौतियों से लड़ने की शक्ति प्रदान करती है। कार्यक्रम में दिल्ली से आए बी॰ के॰ रामनाथ ने भी अपने विचार व्यक्त किये। बी॰ के॰ संगीता ने सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन बी॰ के॰ कमलेश ने किया। कार्यक्रम में शिपिंग, एविएशन और पर्यटन के क्षेत्र से जुड़े 200 से भी अधिक लोगों ने शिरकत की।

कैप्शन:- 1. अश्वनी लोहानी, अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशिक, एअर इडिया

2. सतीश सोनी, प्रबन्ध निदेशक, महाराष्ट्र पर्यटन विभाग

3. बी॰ के॰ ब्रजमोहन भाई

4. दीप प्रज्जवलित करते हुए दाईं ओर से बी॰ के॰ रामनाथ, मीरा दीदी, अश्वनी लोहानी, ब्रजमोहन भाई, सतीश सोनी एवं बी॰ के॰ कमलेश बहन।

5. कार्यक्रम में उपस्थित जनसमूह।